जनसुनवाई में कलेक्टर ऋषव गुप्ता के तल्ख तेवर, समस्याओं का जल्द निराकरण करें अधिकारी

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने पेंशन, सिंचाई, राजस्व एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

जनसुनवाई में किशोर नगर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक देवीलाल बघेल ने आवेदन देकर बताया कि सेवानिवृत्ति के पांच से छह माह बीत जाने के बावजूद उनके पेंशन प्रकरण का निराकरण नहीं हुआ है। अंतिम पेंशन एवं ग्रेच्युटी राशि नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में भी कठिनाई आ रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर गुप्ता ने आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर पेंशन प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार ग्राम गंभीर निवासी किसान रामस्वरूप शर्मा और महेश शर्मा ने किल्लौद लिफ्ट इरिगेशन परियोजना से पर्याप्त सिंचाई जल नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई। किसानों ने बताया कि संबंधित सिंचाई लाइनों से नियमित और पर्याप्त पानी नहीं मिलने के कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं तथा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने स्थल निरीक्षण कर समस्या के समाधान की मांग की। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा किसानों को नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर गुप्ता ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए।

जनसुनवाई बनी मजाक, खाली कुर्सियां बता रहीं जिम्मेदारों की गैरहाजिरी

किल्लौद। किल्लौद जनपद पंचायत में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए।शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रत्येक मंगलवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक ब्लॉक स्तर पर जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए, लेकिन किल्लौद में हकीकत इसके बिल्कुल उलट दिखाई दी।जनसुनवाई कक्ष में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, मगर जिम्मेदार अधिकारी और लाइन विभागों के कर्मचारी नदारद रहे। खाली पड़ी कुर्सियां और इंतजार करते लोग प्रशासनिक उदासीनता की तस्वीर बयां करते नजर आए। शासन के नियमों के अनुसार जनसुनवाई में एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित खाद्य, बिजली, पीएचई, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और सहकारिता विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहती है, ताकि पीएम आवास, पेंशन, राशन, बिजली, पेयजल, नामांतरण और राजस्व विवाद जैसी समस्याओं का मौके पर समाधान हो सके। लेकिन मंगलवार को अधिकांश विभागों के जिम्मेदार अधिकारी मौके से गायब रहे। इससे दूर-दराज गांवों से पहुंचे लोगों को निराशा हाथ लगी। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि जनसुनवाई केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई है और अधिकारी आमजन की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे।

बरसात से पहले जल स्रोतों की सफाई की मांग

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत राठौर ने उठाया मुद्दा

नवभारत न्यूज़

किल्लौद। बरसात का मौसम नजदीक आते ही किल्लौद ब्लॉक में पेयजल स्रोतों की सफाई और शुद्ध पेयजल व्यवस्था को लेकर मांग तेज होने लगी है। यूथ कांग्रेस ब्लॉक किल्लौद-बलड़ी अध्यक्ष हेमंत राठौर ने शासन-प्रशासन से क्षेत्र की पानी की टंकियों, कुओं एवं अन्य जल स्रोतों की शीघ्र साफ-सफाई कराने की मांग की है। हेमंत राठौर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ग्राम लाहड़पुर में पेयजल संकट के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

वहीं ब्लॉक के कई गांवों में फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या भी लगातार सामने आती रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ग्राम कुक्सी रैयत में स्वास्थ्य विभाग की जांच के दौरान कई लोग चिकनगुनिया से प्रभावित पाए गए। दूषित पानी, लार्वा और गंदगी के कारण लोगों में बुखार, हाथ-पैरों में अकड़न जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।राठौर ने कहा कि बारिश के दौरान जलजनित बीमारियों का खतरा और बढ़ जाता है, इसलिए समय रहते सभी पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई और दवाइयों का छिड़काव कराया जाना जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित निगरानी और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। इस संबंध में उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव शिवदास जी से चर्चा की, जिस पर सचिव ने जल्द ही पानी की टंकी की सफाई करवाने का आश्वासन दिया।

सिंहस्थ की तैयारी में धड़ाधड़ गिराए अवैध निर्माण

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। धार्मिक नगरी ओंकारेश्वर में मंगलवार को एक बार फिर प्रशासन का एक बुल्डोजर अतिक्रमण पर गरजा। साल 2028 में उज्जैन और आसपास के धार्मिक क्षेत्रों में होने वाले भव्य सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के मद्देनजर प्रशासन ने अभी से अपनी कमर कस ली है। इसी के मध्यनजर ओंकारेश्वर के चक्रतीर्थ घाट और श्मशान घाट क्षेत्र में बने कई पक्के मकानों और अवैध निर्माणों को पूरी तरह से जमींदोज कर दिया गया।

क्षेत्रवासियों के विरोध के बीच प्रशासन के अपने दावे है। दरअसल, आगामी सिंहस्थ मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है, जिसके लिए घाटों का विस्तार करना, रास्तों को चौड़ा करना और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना बेहद जरूरी है। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों, विशेषकर चक्रतीर्थ और श्मशान घाट के आसपास बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे और पक्के मकान बना

लिए गए थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों का विकास और सुंदरीकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है, इसी वजह से यह सख्त कदम उठाया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों और मकान मालिकों की तरफ से भारी विरोध भी देखने को मिला। कई लोग अपने बरसों पुराने आशियाने को टूटता देख भावुक हो गए और कुछ ने टीम को रोकने की कोशिश भी की, लेकिन किसी भी अप्रिय स्थिति या कानून-व्यवस्था बिगड़ने के डर से मौके पर पहले से ही भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस की मौजूदगी में विरोध को दरकिनार करते हुए नगर परिषद और राजस्व की संयुक्त टीम ने इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सिंहस्थ 2028 से पहले पूरे ओंकारेश्वर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने का एक बड़ा रोडमैप तैयार किया गया है। आने वाले दिनों में कुछ और चिन्हित इलाकों पर भी प्रशासन का पीला पंजा चल सकता है। उन्होंने कहा कि विकास और जनहित के कार्यों में किसी भी तरह का अवैध कब्जा या रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में दिए निर्देश

खंडवा । जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन तथा इस संबंध में गठित विशेष सेल द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा के लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मंगलवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में निर्देश दिए कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का जिला स्तर पर प्रभावी ढंग से पालन कराया जाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के सभी प्रमुख स्थानो पर डस्टबिन रखवाए जाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि शहर के विभिन्न स्थानों पर गीले व सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन लगवाए जाएं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि कचरे से बनने वाले खाद का बगीचों में बेहतर उपयोग किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल और कॉलेजों में समय-समय पर कैंप पर लगाकर स्वच्छता के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करें।

ओंकारेश्वर पॉवर स्टेशन में डाइंग, निबंध प्रतियोगिता आयोजित

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। पावर स्टेशन में चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत एनएचडीसी कार्मिकों के कक्षा 5वीं से 8वीं एवं 9वीं से 12वीं में अध्ययनरत बच्चों हेतु स्वच्छता अभियान विषय पर ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के महत्व को समझाना था।

प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों को अपने चित्रों एवं निबंधों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों की रचनात्मकता एवं विचारों की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा बच्चों को स्वच्छता अपनाने, प्लास्टिक उपयोग कम करने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर चंचला सिन्हा, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन), ड्राइंग प्रतियोगिता के निर्णायक समिति सदस्य राजीव शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), भूपेश बरतूनिया, विभागाध्यक्ष (वित्त), अनुराग मौर्य, उप महाप्रबंधक (विद्युत) एवं निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक समिति सदस्य मनोज नारारण राव घुगे, विभागाध्यक्ष (आईटी), दिलीप कुमार कुर्रे, विभागाध्यक्ष (विद्युत कालोनी), भानू प्रताप पाल, समूह वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत) तथा मानव संसाधन विभाग के कार्मिक उपस्थित रहें।

एसडीईआरएफ जवानों ने डूबते युवकों की बचाई जान

नवभारत न्यूज़

खंडवा। ओंकारेश्वर में अमावस्या पर्व के दौरान नर्मदा स्नान करने आए दो युवक डूबने लगे, लेकिन घाट पर तैनात एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों की तत्परता से उनकी जान बचा ली गई। जवानों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के अमरावती से ओंकारेश्वर दर्शन और स्नान के लिए आए 16 वर्षीय पीयूष पिता रविंद्र ब्रह्मपुरी घाट पर स्नान करते समय गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। युवक को संकट में देख घाट पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया।

सूचना मिलते ही एसडीईआरएफ जवान बलबहादुर और सैनिक महेश रावत बिना देर किए वर्दी में ही नर्मदा नदी में कूद पड़े और साहसिक रेस्क्यू कर युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।इसी दौरान कोटितीर्थ घाट पर स्नान कर रहे 18 वर्षीय राहुल निवासी खरगोन को भी एसडीईआरएफ सैनिक गणेश वर्मा ने डूबने से बचाया। दोनों युवकों ने सुरक्षित बचने के बाद होमगार्ड और एसडीईआरएफ जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने बताया कि अमावस्या पर्व पर ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए घाटों पर एसडीईआरएफ और होमगार्ड जवानों की विशेष तैनाती की गई है। जवान लगातार बोट पेट्रोलिंग, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। साथ ही लापरवाही बरतने वाले नाव चालकों पर भी कार्रवाई की जा रही है। कमांडेंट श्री कुशवाहा ने बताया कि साहस और तत्परता दिखाकर श्रद्धालुओं की जान बचाने वाले जवानों को पुरस्कृत किया जाएगा।

जिला अस्पताल में पहली बार सफल ब्रोंकोस्कोपी जांच

नवभारत न्यूज़

खंडवा। नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला अस्पताल खंडवा में पहली बार सफलतापूर्वक ब्रोंकोस्कोपी जांच की गई। मंगलवार को ईएनटी विभाग में एक ही दिन में तीन मरीजों की सफल ब्रोंकोस्कोपी कर चिकित्सकों ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय मंगीलाल सहित अन्य मरीजों को लगातार खांसी, बुखार और वजन कम होने जैसी गंभीर शिकायतों के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। प्रारंभिक जांच में फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारी की आशंका सामने आने पर चिकित्सकों ने ब्रोंकोस्कोपी जांच करने का निर्णय लिया।इस प्रक्रिया का संचालन ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील बाजोलिया के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप परिहार, डीन डॉ संजय कुमार दादू, सिविल सर्जन डॉ अनिरुद्ध कौशल, डॉ विशाल और डॉ स्नेह ने भी सहयोग दिया।मरीजों की जांच के लिए सीबीसी, एलएफटी, आरएफटी, चेस्ट एक्स-रे और एचआरसीटी चेस्ट जैसी जांचें भी कराई गईं। ब्रोंकोस्कोपी के माध्यम से मरीजों की बीमारी की स्थिति का बेहतर आकलन कर आगे के उपचार की दिशा तय की गई।मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने इसे आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया है। अब जिले के मरीजों को इस प्रकार की उन्नत जांच के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

किसान के खेत से चोरी गई 3600 फीट केबल बरामद

खंडवा। धनगांव थाना पुलिस ने किसान के खेत से चोरी हुई 3600 फीट केबल वायर के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।पुलिस के अनुसार ग्राम आमोदा निवासी किसान गोवर्धन पिता गबरू पंवार के खेत से 31 मार्च 2026 की रात अज्ञात बदमाश करीब 3600 फीट केबल वायर चोरी कर ले गए थे। चोरी गए तार की कीमत लगभग 30 हजार रुपए बताई गई है। मामले में फरियादी की शिकायत पर धनगांव थाना में अपराध क्रमांक 124/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक नजर

सालई पंचायत में भ्रष्टाचार की परतें खुलना शुरू

स्वीकृत राशि से अधिक भुगतान पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज़

खंडवा जिले की ग्राम पंचायत सालई में निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। मामला अब चर्चा का विषय बन गया है और नवभारत इस पूरे प्रकरण की परत-दर-परत पड़ताल कर रहा है।

अब निगाहें जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे इस मामले में कितना संज्ञान लेते हैं और क्या कार्रवाई करते हैं। आरोप है कि पंचायत में आंगनवाड़ी भवन के पास बनाए जाने वाले शौचालय निर्माण कार्य में स्वीकृत राशि से अधिक भुगतान कर दिया गया। जानकारी के अनुसार इस निर्माण कार्य के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई थी। कार्य का टीएस नंबर 107 है,

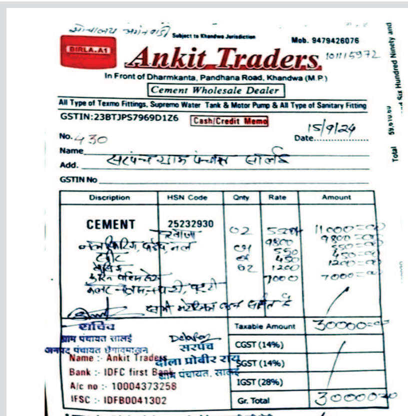

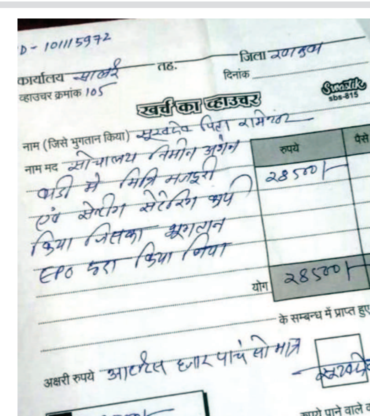

जिसकी स्वीकृति दिनांक 23 फरवरी 2023 बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि उक्त निर्माण कार्य में कुल 1 लाख 73 हजार 851 रुपए का भुगतान कर दिया गया, यानी स्वीकृत राशि से 23 हजार 851 रुपए अधिक खर्च दर्शाया गया। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर तय स्वीकृति से अधिक भुगतान किस आधार पर किया गया और यह अतिरिक्त राशि किस मद से निकाली गई?मामले में उपयंत्री की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि उपयंत्री ने निर्धारित राशि से अधिक भुगतान को बिना किसी आपत्ति के स्वीकार कर बिलों का भुगतान करा दिया। इससे पूरे भुगतान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।जिन फर्मों और व्यक्तियों को भुगतान किया गया, उनके बिल भी संदेह के घेरे में बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार अंकित ट्रेडर्स को नल फिटिंग, सीट, कलर, लाइट एवं अन्य सामग्री के नाम पर 30 हजार रुपए का भुगतान किया गया। वहीं सुखदेव सोलंकी को 28,500 और 30 हजार रुपए के दो बिलों का भुगतान हुआ। जयपाल कैलाश के नाम पर 10,500 और 22,800 रुपए तथा तिरोले ब्रदर्स को 34,500 और 17,551 रुपए के बिलों का भुगतान किया गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि भुगतान तो पूरा दिखा दिया गया, लेकिन मौके पर निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति कुछ और ही बयां कर रही है। ऐसे में अब मांग उठ रही है कि पूरे मामले की तकनीकी और वित्तीय जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।